Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–604

M.A. (Final) Examination, 2021

PHILOSOPHY

Paper – VI, VII, VIII (iii)

(Buddhism)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Svalakshan

   स्वलक्षण

   (ii) Vijnanavada

   विज्ञानवाद

   (iii) Alaya Vijnan

   आलय विज्ञान

   (iv) Pratityasamutpada

   प्रतीत्यसमुत्पाद

   (v) Pudgala nairatmya

   पुद्गल नैरात्म्य

   (vi) Praman

   प्रमाण

   (vii) Dharmakirti's views on logic

   धर्मकीर्ति के तर्क पर विचार

   (viii) Subjective Idealism of Vasubandhu

   वसुबंधु का विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद

   (ix) Shunyavada

   शून्यवाद

   (x) Consciousness

   चेतना

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Critically explain Ratnakirti's theory of Apoha Vada.

   रत्नकीर्ति के अपोहवाद की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

3. Explain nature and types of perception according to Dharmakirti.

धर्मकीर्ति के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप तथा प्रकारों की विवेचना कीजिए।

4. Explain the criticism on the concept of Praman according to Nagarjuna.

नागार्जुन के प्रमाण की संकल्पना पर की गई आलोचना की व्याख्या कीजिए।

5. Explain the theory of dependent origination.

प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

6. Explain Vasubandhu's discussion against the objections to his Philosophy.

वसुबन्धु द्वारा उसके दार्शनिक विचारों पर की गई आलोचनाओं के विरोध में उसके द्वारा दी गई व्याख्या को स्पष्ट कीजिए।

7. Explain the relation between Pudgalnairatmya and Dharmanairatmya.

पुद्गलनैराम्त्य व धर्मनैरात्म्य के मध्य सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

8. Explain Smriti according to Vasubandhu.

वसुबन्धु के स्मृति विचार की व्याख्या कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

9. Explain the concept of Hetu and Trairupyahetu according to Dharmakirti.

धर्मकीर्ति के अनुसार हेतु तथा त्रैरूप्यहेतु की विवेचना कीजिए।

10. Discuss 'Prasangvad Anuman' of Nagarjuna.

नागार्जुन के 'प्रसंगवाद अनुमान' की विवेचना कीजिए।

11. Discuss the relation between Shunyata and Pratityasamutpada.

शून्यता और प्रतीत्यसमुत्पाद के बीच सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

12. Explain the nature of Svalakshan and Samanya lakshan.

सामान्य लक्षण तथा स्वलक्षण की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।